12. वन एवं वनस्पति

❒ राजस्थान की किस देशी रियासत ने सर्वप्रथम वन संरक्षण की योजना लागू की [JEN (यांत्रिकी)-13.12.2020]
(1) मारवाड़ (2) जयपुर (3) जोधपुर (4) कोटा
Ans. (3)

व्याख्या – राजस्थान में स्वतंत्रता पूर्व 1910 में जोधपुर रियासत में वन संरक्षण की योजना बनाई गयी तथा 1935 में अलवर रियासत में वन अधिनियम बनाया गया।

❒ वन विभाग, राजस्थान की स्थापना कब हुई?
[जेल प्रहरी परीक्षा 27-10-2018, Shift -II]
(1) 1982 (2) 1965 (3) 1979 (4) 1950
Ans. (4)

व्याख्या – राजस्थान एकीकरण के चौथे चरण- 30 मार्च 1949 में सत्य नारायण समिति की सिफारिश पर उच्च न्यायालय (जोधपुर), कृषि विभाग (भरतपुर), खनिज विभाग (उदयपुर), शिक्षा विभाग (बीकानेर), वन विभाग (कोटा) को बनाया।

❒ राजस्थान में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन निदेशालय की स्थापना किस वर्ष हुई?
[ARO (Horticultue) 29.8.2022]
(1) 2010 (2) 2018 (3) 2019 (4) 2020
Ans. (3)

व्याख्या – राजस्थान सरकार ने सितम्बर 1983 में पर्यावरण विभाग की स्थापना की है। पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण के कठिन कार्य को संबोधित करने के लिए 2019 में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन निदेशालय की स्थापना की गई।

❒ राजस्थान सरकार ने जलवायु परिवर्तन नीति की शुरुआत की- [Asst. Professor- 7.1.2024]
(1) 2010 (2) 2021 (3) 2018 (4) 2023
Ans. (4)

❒ राजस्थान हरित हाइड्रोजन नीति कब से प्रभाव में आई? [Assist. Professor-8.9.2024]
(1) 2024 से (2) 2023 से (3) 2022 से (4) 2021 से
Ans. (2) हरित हाइड्रोजन नीति : 29 सितम्बर, 2023 लागू

❒ राजस्थान सरकार द्वारा पहली वन नीति का अनुमोदन कब किया गया? [III Grade (L-I) -25.2.2023]
[RAS - 28.08.2016]
[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018 (II)]
[II Grade (SS)- 2011][Head Master Exam - 02.09.2018]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (सीरम) 15.9.2019]
[खाद्य सुरक्षा अधिकारी-25.11.2019][House Keeper -9.7.2022]
(1) फरवरी, 2010 (2) मार्च, 2011
(3) अगस्त, 2010 (4) सितम्बर, 2011
Ans. (1)

व्याख्या – राजस्थान 18 फरवरी, 2010 को वन एवं पर्यावरण नीति घोषित करने वाला देश का पहला राज्य है।

❒ राजस्थान सरकार ने किस वर्ष 'राजस्थान राज्य पर्यावरण नीति (राजस्थान स्टेट एनवायरन्मेन्ट पॉलिसी)' बनाई? [Assistant Agri. Officer -28.05.2022]
[Food Safety Officer - 27.06.2023]
[कृषि अधिकारी –19.1.2021]
[वनरक्षक–13.12.2022(II)] [CET : 07.01.2023 (S-L)]
(1) 2012 (2) 2008 (3) 2001 (4) 2010
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान सरकार ने कौनसे वर्ष में राजस्थान जैविक विविधता नियमों को बनाया तथा राजस्थान राज्य जैव-विविधता बोर्ड की स्थापना की? [RAS-28.8.2016]
[AEN - 16.12.2018]
[Librarian Garde-II - 02.08.2020]
[राज. पुलिस कॉन्स्टेबल-13.05.2022 (I), 15.05.2022 (I)]
(1) 2014 (2) 2012 (3) 2010 (4) 2008
Ans. (3)

व्याख्या – राजस्थान जैविक विविधता नियम (राजस्थान बॉयोलोजीकल डायवर्सिटी रूल्स) 2010 के तहत राजस्थान राज्य जैव-विविधता बोर्ड की स्थापना 14.09.2010 को की गई।

❒ वन नीति के अनुसार कितना प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित होना चाहिए? [LDC Exam -19.08.2018]
(1) 20% (2) 15% (3) 25% (4) 33%
Ans. (4)

व्याख्या–1952 में घोषित राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार देश में 33 % भू-भाग पर वन आच्छादित होना चाहिए। राज्य की प्रथम वन नीति (18 फरवरी, 2010) के अनुसार राज्य के सम्पूर्ण भू-भाग के 20% भाग को वृक्षाच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया। 5 जून, 2023 को जारी राजस्थान वन नीति 2023 में वनस्पति आवरण को कुल भौगोलिक क्षेत्र के 20% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

Scanned with OKEN Scanner

❐ राजस्थान वन नीति 2023 के अनुसार, राज्य में अगले 20 वर्षों में वन आवरण को भौगोलिक क्षेत्र के कितने प्रतिशत तक बढ़ाया जाना है- [शोध अध्येता परीक्षा-04.08.2024]

(1) 30% (2) 40% (3) 10% (4) 20%

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में किस प्रकार के प्रशासनिक वन क्षेत्र सर्वाधिक पाये जाते हैं? [IInd Grade Spc. Edu. 2017]

[उद्योग प्रसार अधिकारी-22.8.2018][III Grade (SST) -26.2.2023]

[LDC -9.9.2018][कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]

[कनिष्ठ अनुदेशक -4:1.2025][RPSC कनिष्ठ लेखाकार-2.08.2015]

[Librarian Garde-II Exam - 02.08.2020]

[JEN (Civil) Diploma-06.12.2020]

(1) आरक्षित (2) अवर्गीकृत (3) वर्जित (4) सुरक्षित

Ans. (4)

व्याख्या-प्रशासनिक दृष्टि से राजस्थान वन अधिनियम 1953 के अनुसार वनों का वर्गीकरण तीन भागों में किया जाता है -

1. आरक्षित वन (Reserved Forest) : इस प्रकार के वन राज्य के वनों के 36.99% (क्षेत्रफल 12178.03) भाग में पाये जाते हैं। लकड़ी काटना व पशु चराना इन वनों में अपराध माना जाता है। राज्य में सर्वाधिक आरक्षित वन क्रमशः उदयपुर, चित्तौड़गढ़, अलवर जिले में हैं।

2. सुरक्षित/संरक्षित वन (Protected Forest): ये वन राज्य के लगभग 56.51% (क्षेत्रफल 18605.18) भाग में फैले हुये हैं। यहाँ पशु चराने तथा लकड़ी काटने में कुछ शिथिलता बरती जाती है। राज्य में सर्वाधिक सुरक्षित वन क्रमशः बारां, करौली, उदयपुर जिले में हैं।

3. अवर्गीकृत वन (Unclassified Forest) : ये वन राज्य के वन क्षेत्र के 6.50% (क्षेत्रफल 2137.79) भाग में फैले हुये हैं। इन वनों में लकड़ी काटने व पशु चराने पर सरकारी प्रतिबन्ध नहीं होता है। राज्य में सर्वाधिक अवर्गीकृत वन क्रमशः बीकानेर, गंगानगर, जैसलमेर में हैं।

(स्रोत:प्रशासनिक प्रतिवेदन, वन विभाग राज.-2023-24, पृ. 7)

❐ राजस्थान में सुरक्षित/रक्षित वनों का प्रतिशत है- [JEN (Civil) Degree - 18.05.2022]

(1) 54.33 (2) 56.49 (3) 52.43 (4) 37.05

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ निम्नलिखित में से किस जिले में अधिकतम आरक्षित वन क्षेत्र है? [CET : 07.01.2023 (S-II)]

[Assistant Agri. Officer -28.05.2022]

(1) उदयपुर (2) चित्तौड़गढ़ (3) अलवर (4) सवाईमाधोपुर

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ कौनसी श्रेणी प्रशासनिक दृष्टि से राजस्थान के वनों की श्रेणी नहीं है? [III Grade (L-I) -25.2.2023]

[Lab Assistent (Science) -29.06.2022]

(1) सुरक्षित (2) आरक्षित (3) वर्गीकृत (4) अवर्गीकृत

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ वन संरक्षण और वन्यजीव संसाधनों के संदर्भ में किस प्रकार के वनों को सबसे मूल्यवान माना गया है- [पशु परिचर-1.12.2024 (S-II)]

(1) आरक्षित वन (रिजर्व्ड फॉरेस्ट) (2) सामान्य वन

(3) रक्षित वन (4) अवर्गीकृत वन

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ कौनसा वन और वन्यजीव संसाधन नहीं है- [पशु परिचर-3.12.2024 (S-I)]

(1) रक्षित वन (2) आरक्षित वन

(3) अवर्गीकृत वन (4) देशज (स्थानिक) वन

Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ सरकारी और निजी व्यक्तियों अथवा समुदायों से संबंधित वन और अकृष्य भूमि कहलाती है- [पशु परिचर-2.12.2024 (S-I)]

(1) निजी वन (2) रक्षित वन

(3) अवर्गीकृत वन (4) आरक्षित वन

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ वह जिला, जहाँ उष्णकटिबन्धीय शुष्क पर्णपाती वन पाये जाते है, वह है- [RAS Pre-26.10.2013]

(1) बीकानेर (2) सिरोही (3) नागौर (4) श्रीगंगानगर

Ans. (2)

व्याख्या- उष्ण-कटिबंधीय शुष्क पतझड़ वन - ये मानसूनी वन राजस्थान में सर्वाधिक क्षेत्रफल में फैले हुए हैं। सिरोही, अलवर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, उदयपुर, सलुम्बर, बाँसवाड़ा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, कोटा, बाराँ, टोंक, करौली, अजमेर, ब्यावर, जयपुर, झालावाड़, डूँगरपुर, बूँदी जिलों पाये जाते है। इन वनों में सागवान, बरगद, तेंदू, सालर, महुआ, गूलर, धौक, ढाक, साल सीताफल, बाँस, आँवला, आम, नीम, शीशम, आदि वृक्ष पाये जाते हैं। इन वनों की अधिकांश लकड़ियाँ मजबूत होती हैं तथा इनके पेड़ ग्रीष्मकाल में अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

❒ **किस जिले में उष्ण कटिबंधीय शुष्क पतझड़ वाले वन नहीं पाए जाते हैं-** [Head Master -11.10.2021]

(1) अलवर (2) बाँसवाड़ा (3) बूँदी (4) जालौर

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के निम्नलिखित में से कौनसे जिलों में उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ी वन पाये जाते हैं?**

[II Grade GK - 21.12.2022]

(1) सीकर, झुन्झुनूं, जालौर (2) जैसलमेर, बाड़मेर, पाली

(3) उदयपुर, बाँसवाड़ा, कोटा (4) बीकानेर, नागौर, चूरू

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्नांकित में से कौनसे वन राजस्थान में सर्वाधिक क्षेत्रफल में फैले हुए हैं?** [LDC Exam - 16.09.2018]

[JEN (Diploma) Exam - 21.08.2016]

(1) उष्ण-कटिबन्धीय पतझड़ (2) मिश्रित पतझड़

(3) उपोष्ण-कटिबंधीय सदाबहार (4) शुष्क सागवान

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में उप-उष्णकटिबंधीय पहाड़ी वन में पाए जाने वाले वृक्षों का चयन कीजिये-**

[CET (10+2) : 22.10.2024 (S-II)]

(1) खेजड़ी, बेर (2) कैर, थोर, फाग

(3) आम, नीम (4) धौंकड़ा, पलाश

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **किस प्रकार के वन राजस्थान राज्य के अधिकतम क्षेत्रफल को आच्छादित करते हैं?**

[राजस्थान पुलिस-13.5.2022 (S-II)]

(1) सूखे सागौन वाले वन (2) एनोगीसस पेंडुला वन

(3) मिश्रित पर्णपाती वन (4) बोसवेलिया वन

Ans. (2)*

व्याख्या - उत्तर कुंजी में विकल्प 2 सही माना है लेकिन विकल्प 3 सही होगा। राजस्थान में वनों का विभाजन चैम्पियन एण्ड सेठ के वन वर्गीकरण (1968) के अनुसार दो प्रकार (शुष्क उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन तथा उष्णकटिबंधीय कंटीले वन) किया जा सकता है, जिनका 20 वन प्रभागों में विभाजन किया गया है। इनका सर्वाधिक वनावरण क्रमशः उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वन (38.78%), एनोगेसस पेण्डूला/धौंकड़ा वन (14.78), शुष्क पर्णपाती झाड़ी वन (10.92%), अति शुष्क सागवान वन (4.92%), मरुस्थलीय ड्यून झाड़ी (4.59%) है।

(स्रोत: राजस्थान वन स्थिति रिपोर्ट-2023)

❒ **किन जिलों में मिश्रित पतझड़ वन पाये जाते हैं?**

[Fireman Exam -29.1.2022][II Grade (S-II) -29.1.2023]

[संग्रहालयाध्यक्ष - 19.06.2024]

(1) उदयपुर, कोटा, बूँदी, चित्तौड़गढ़, सिरोही

(2) प्रतापगढ़, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, नागौर

(3) अजमेर, पाली, सिरोही, चूरू

(4) अलवर, भरतपुर, धौलपुर, जालौर

Ans. (1)

व्याख्या-मिश्रित पतझड़ वन [Mixed Deciduous Forest] पूर्वी राजस्थान में पाये जाते हैं। जिन प्रदेशों में वर्षा 50 से 85 सेमी. के मध्य होती है, वहाँ अधिकांशतः ऐसे वन पाये जाते हैं। इन्हें 'शुष्क मानसूनी खुले वन' भी कहा जा सकता है। ये वन उदयपुर, सलूम्बर, कोटा, राजसमंद, बूँदी, चित्तौड़गढ़ और सिरोही के कुछ भागों में पाये जाते हैं। यहाँ सामान्य रूप से धोंक, बरगद, गूलर, साल, बाँस, आम, जामुन, बबूल, खैर आदि के वृक्ष प्रमुख है। धोंक वृक्ष की अधिकता के कारण इन्हें धौंकड़ा वन भी कहा जाता है। राज्य में ईंधन की लकड़ी व कोयला बनाने में सर्वाधिक उपयोग धौंकड़ा वृक्ष का होता है। इसका वानस्पतिक नाम 'एनोजिस/एनोगेसस पण्डूला' है।

❒ **धौंकड़ा है।** [II Grade (Science) Exam. 2011]

(1) मिट्टी (2) अनाज (3) खनिज (4) वृक्ष

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान के किस जिले में उष्णकटिबन्धीय शुष्क कंटीले वन पाए जाते हैं-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत-26.12.2020]

(1) अजमेर (2) जयपुर (3) जैसलमेर (4) धौलपुर

Ans. (3)

व्याख्या : उष्ण कटिबंधीय कंटीले वन -उष्ण कटिबन्धीय काँटेदार झाड़ी वाले वन प्रमुखतया जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, सीकर, ब्यावर, डीडवाना-कुचामन, फलौदी, अजमेर, जयपुर, नागौर, जालोर, चूरू, झुन्झुनूँ आदि जिलों में है। शुष्क या मरुस्थलीय वनों की मुख्य वनस्पति खेजड़ी, बबूल, थूहर, केर, कीकर, बेर, फोग, रोहिड़ा व अन्य कंटीली झाड़ियाँ तथा सेवण, धामन, मुरात, अंजन, करड़, सिरकानियाँ आदि घास है।

❒ **खेजड़ी वनस्पति प्रजाति (वृक्ष) ..... वनों में पाई जाती है।** [वनरक्षक - 11.12.2022(S-I)]

(1) उपोष्ण पर्वतीय (2) उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़

(3) उष्णकटिबंधीय कंटीले (4) उष्णकटिबंधीय सदाबहार

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❒ **राजस्थान के किस क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय कंटीले वन मिलते हैं?** [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) सिरोही (2) बाँसवाड़ा (3) चुरू (4) कोटा
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **सेवन, धामन और कराद....... हैं।** [CET-G (S-I) - 27.09.2024]
(1) लोक नृत्य के प्रकार (2) मरुस्थल मृदा
(3) घास के प्रकार
(4) राजस्थानी चित्रकला (पेंटिंग्स) रूप के प्रकार
Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **उष्णकटिबंधीय काँटेदार वन, राजस्थान के किस क्षेत्र में पाए जाते हैं-** [CET (10+2) : 23.10.2024 (S-I)]
(1) उदयपुर (2) जैसलमेर (3) बाराँ (4) कोटा
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में उष्णकटिबंधीय वन न होने वाले क्षेत्र का चयन करें-** [Stenographer-15.10.2024]
(1) बीकानेर (2) पाली (3) जोधपुर (4) माउन्ट आबू
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौन से वृक्ष राजस्थान के उष्ण-कटिबंधीय कांटेदार वनों में नहीं पाए जाते?** [पशु परिचर-3.12.2024 (S-I)]
(1) बाँस (2) रोहिड़ा (3) खेजड़ी (4) बेर
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **'सेवण' व 'लवण' घास राजस्थान के किस जलवायु प्रदेश में उगती है-** [JEN (यांत्रिकी) डिप्लोमा -13.12.2020]
(1) अर्धशुष्क (2) उप-आर्द्र (3) आर्द्र (4) शुष्क
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसी घास राजस्थान के पश्चिमी जिलों में नहीं पाई जाती है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]
(1) लाणा (2) सेवण (3) धामण (4) करड़
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसा कथन असत्य है?** [VDO Mains -09.07.2022]
(1) शुष्क सागवान वन राजस्थान के दक्षिणी भागों में पाये जाते हैं।
(2) मिश्रित पतझड़ वन उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और सिरोही जिलों में मिलते हैं।
(3) उपोष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन आबू पर्वतीय क्षेत्र में पाये जाते हैं।
(4) उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन अधिकांश पूर्वी राजस्थान में मिलते हैं।
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **राजस्थान में 'शुष्क सागवान वन' कहाँ पाये जाते हैं?** [II Grade (SST) -2011][PTI (Grade-II)-30.04.2023]
(1) पश्चिमी राजस्थान में (2) आबू पर्वतीय क्षेत्र में
(3) डूँगरपुर व बाँसवाड़ा में (4) अलवर व भरतपुर में
Ans. (3)

> ***व्याख्या*** *- शुष्क सागवान वन 75 से 110 से.मी. वर्षा वाले भागों में पाये जाते है। सामान्यतः इन वृक्षों की ऊँचाई 9 से 13 मीटर तक होती है। इन वनों को मानसूनी या चौड़ी पत्ती वाले वन भी कहते है। दक्षिणी भाग विशेषकर बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, उदयपुर, सलूम्बर, चित्तौड़गढ़ व कोटा जिलों में पाये जाने वाले ये वन, कुल वन क्षेत्र के 6.86 प्रतिशत भाग में फैले हुये हैं। इमारती लकड़ी के लिए प्रसिद्ध सागवान के वन बाँसवाड़ा जिले में सर्वाधिक पाए जाते हैं।*

❒ **राजस्थान में निम्नलिखित में से किस प्रकार के वन 75 से 110 सेमी. औसत वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में पाये जाते हैं-** [II Grade GK (संस्कृत शिक्षा) -19.02.2019] [Veterinary Officer - 2.8.2020][JEN (Civil) - 18.5.2022] [II Grade - 30.07.2023 (S-I)]
(1) उष्णकटिबन्धीय कंटीले वन तथा झाड़ियाँ
(2) मिश्रित पतझड़ वन
(3) शुष्क वन
(4) शुष्क सागवान वन
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **निम्न में से कौनसा कथन राजस्थान के सूखे टीक के जंगलों के संदर्भ में सही नहीं है?** [CET-G (S-I) - 28.09.2024]
(1) ये जंगल, राज्य के दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी हिस्सों में स्थित हैं।
(2) इन क्षेत्रों में वार्षिक वर्षा वृष्टि 150 से 200 सेन्टीमीटर तक होती है।
(3) सामान्यतः इन वृक्षों की ऊँचाई 9 से 13 मीटर तक होती है।
(4) टीक की लकड़ी व्यावसायिक रूप से उपयोगी है एवं इसका प्रयोग फर्नीचर बनाने, दरवाजों की चौखट, खिड़कियों और गृह निर्माण में होता है।
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❒ इमारती लकड़ी के लिए प्रसिद्ध सागवान के वन किस जिले में सर्वाधिक पाए जाते हैं?
[पशुधन सहायक-21.10.2018][पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (II)]
[II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-II)][कृषि अधिकारी-19.1.2021]
[अन्वेषक-27.12.2020] [JEN Diploma (TSP)- 16.10.2016]
(1) दौसा (2) बाँसवाड़ा (3) पाली (4) झुन्झुनूँ
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ शुष्क सागवान वन राजस्थान के किन जिलों में मिलते हैं? [JEN (Mechanical) Degree - 20.05.2022]
[S.I. Exam. 1998][R.A.S. Pre Exam. 1995]
[EEO -19.06.2024] [जेल प्रहरी- 21-10-2018, S -III]
[Librarian Garde-III Exam - 13.11.2016]
(1) बाँसवाड़ा-उदयपुर (2) बीकानेर-गंगानगर
(3) चुरू-झुन्झुनूं (4) जालौर-सिरोही
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान प्रदेश में शुष्क सागवान के वन पाये जाते है? [जेल प्रहरी 27-10-2018, S -III][R.A.S.- 2003]
(1) मध्य (2) उत्तरी पूर्वी (3) पूर्वी (4) दक्षिणी
Ans. (4) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के दक्षिणी भाग में 250 से 450 मी. की ऊँचाई पर सर्वाधिक संख्या में पाए जाने वाले वृक्ष हैं- [LDC Exam-12.08.2018]
(1) सागवान (2) पलाश (3) धौंकड़ा (4) सालर
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्नलिखित जिला समूह में से किसमें सालर या साल (बोसवालिया सेराता) के वन पाये जाते हैं-
[Librarian III Grade 11.9.2022][Assistant Professor-22.9.2021]
[II Grade (Sans. Dept.)-29.12.2024][Librarian Garde-II - 2.8.2020]
(1) सवाई माधोपुर, बूँदी, धौलपुर, करौली
(2) टोंक, जयपुर, दौसा, सीकर
(3) कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़
(4) अलवर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सिरोही, अजमेर
Ans. (4)

व्याख्या - • सालर वन : ये वन अरावली के 450 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले पहाड़ी इलाकों में मिलते हैं। ये वन राजसमन्द, चित्तौड़गढ़, पाली, अलवर, खैरथल-तिजारा, सिरोही, उदयपुर, ब्यावर, अजमेर, जोधपुर व जयपुर जिलों में अधिक पाये जाते हैं। इन वनों के प्रमुख वृक्ष सालर, धौंक, कठिरा व धावड़ है। सालर वृक्ष गोंद का अच्छा स्रोत है। इसकी लकड़ी का प्रयोग सामान की पैकिंग के लिए किया जाता है।

❒ निम्नांकित में से कौन-सा पेड़ गोंद का अच्छा स्रोत है?[कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर)-23.3.2019][CET-4.2.2023 (II)]
(1) सागवान (2) सालर (3) तेन्दू (4) गुरजन
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ निम्न में से राजस्थान के किस क्षेत्र में सालार वन नहीं पाए जाते हैं- [पशु परिचर-3.12.2024 (S-I)]
(1) अजमेर (2) उदयपुर (3) जैसलमेर (4) पाली
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसा कथन राजस्थान के सालार वनों के बारे में सही है- [पशु परिचर-3.12.2024 (S-II)]
(1) चीड़ इन वनों का प्रमुख वृक्ष है।
(2) ये वन केवल मैदानी क्षेत्रों में पाये जाते हैं।
(3) इनकी लकड़ियों का प्रयोग पैकिंग बॉक्स बनाने में किया जाता है।
(4) यह राजस्थान के जैसलमेर, जोधपुर क्षेत्र में पाया जाता है।
Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ सालार वन के बारे में सबसे असत्य कथन का चयन करें- [CET (10+2) : 24.10.2024 (S-I)]
(1) सालार वन राजस्थान के पहाड़ी क्षेत्रों में भी पाए जाते हैं।
(2) सालार वृक्षों की प्रचुरता के कारण इन वनों को सालार वन नाम दिया गया है।
(3) ढोक कथिरा (Dhok Kathira) और धवद (Dhawad) सालार वन के प्रमुख वृक्ष हैं।
(4) टीक विशेष रूप से सिर्फ सालार वनों में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला वृक्ष है।
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ राजस्थान के किस क्षेत्र (प्रदेश) में सालार (बोसवेलिया सेराटा) वन मिलते हैं-
[Research Officer-04.08.2024]
(1) मुकुन्दरा की पहाड़ियाँ
(2) अरावली पहाड़ियों की उच्च श्रेणियों में
(3) मध्य माही बेसिन (4) शेखावाटी प्रदेश
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ कौनसी पश्चिमी राजस्थान में पाई जाने वाली एक घास नहीं है? [III Grade (L-I) -25.2.2023]
(1) सेवण (2) धामण (3) कराड़ (4) सालर
Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ **माउंट आबू के आसपास, जहाँ वर्षा 150 से.मी. से अधिक है, वन पाए जानते हैं?** [JEN Exam - 21.08.2016] [ARO-29.8.2022] [कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019] [Asst. Town Planner- 16.6.2023][EO & RO - 14.05.2023 (II)] [पशु परिचर-2.12.2024 (S-II)]

(1) उष्ण-कटिबन्धीय सदाबहार
(2) उपोष्ण-कटिबन्धीय सदाबहार
(3) अर्द्ध- शुष्क पतझड़ (4) उष्ण-कटिबन्धीय कंटीली

Ans. (2)

व्याख्या - सदाबहार वन : ये वन, कुल वनक्षेत्र के मात्र 0.39% प्रतिशत भाग में ही पाये जाते हैं। इन उपोष्ण - कटिबन्धीय सदाबहार सघन वनों का विस्तार मुख्यत: सिरोही के आबू पर्वतीय क्षेत्र में अधिक पाया जाता है।

❑ **निम्न में से किस जिले में, उप-उष्ण पर्वतीय वन पाए जाते हैं-** [ARO - 27.8.2022] [R.A.S.- 27.10.2021] [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-11.11.2021]

(1) सिरोही (2) उदयपुर (3) बांसवाड़ा (4) झालावाड़

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्न में से किस क्षेत्र में उपोष्ण-कटिबंधीय सदाबहार वन पाए जाते हैं?** [सांख्यिकी अधिकारी-25.02.2024] [रसायनज्ञ-6.8.2024][राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-13.06.2024 (I)]

(1) केलवाड़ा (2) कोलायत (3) आबू (4) सूरतगढ़

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखेंइ*

❑ **राजस्थान के कौनसे जिलों में 'खस' घास उत्पादित होती है?** [RAS -2009, 14.6.2012][क.अनुदेशक-10.9.2022] [CET : 07.01.2023 (S-1)][JEN (विद्युत) डिप्लोमा-29.11.2020] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-14.06.2024 (I) & (II)]

(1) कोटा, बूँदी और झालावाड़
(2) धौलपुर, करौली और अलवर
(3) अजमेर, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़
(4) सवाई माधोपुर, भरतपुर और टोंक

Ans. (4)

व्याख्या-खस की घास की जड़ों से सुगन्धित तेल निकाला जाता है जो इत्र और शर्बत बनाने के काम आता है। यह घास मुख्यत: भरतपुर, डीग, टोंक व सवाईमाधोपुर जिलों में उत्पन्न होती है। इस घास के तनों से टाटियाँ (पर्दे) बनाया जाता है। कमरों को खुशबूदार एवं ठण्डा करने के लिए इस घास का उपयोग किया जाता है।

❑ **कमरों को खुशबूदार एवं ठण्डा करने के लिए किस घास का उपयोग किया जाता है?** [कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) सीधी भर्ती परीक्षा- 20.03.2019]

(1) सेवण (2) धामण (3) खस (4) अन्जन

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **निम्नलिखित उत्पादों में से कौनसा, परदे बनाने में काम आता है-** [JEN (यांत्रिकी) डिग्री -13.12.2020]

(1) आँवला (2) खस (3) तेन्दू (4) झाबुई

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में खैर वनीय क्षेत्र पाए जाते हैं-** [व्याख्याता आयुर्वेद विभाग-13.11.2021]

(1) बीकानेर-बाड़मेर (2) कोटा-सवाईमाधोपुर
(3) जालौर-सिरोही (4) अजमेर-भीलवाड़ा

Ans. (2)

व्याख्या - खैर वन राजस्थान के दक्षिणी पठारी भाग यथा-झालावाड़, कोटा, बाराँ, चित्तौड़गढ़ व सवाईमाधोपुर जिलों में फैले हुए हैं।

❑ **'अर्जुन' का वृक्ष प्रमुख रूप से....जिले में मिलता है।** [III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) जालौर (2) जैसलमेर (3) झालावाड़ (4) जयपुर

Ans. (3)

व्याख्या - अर्जुन का वृक्ष सामान्यत: राजस्थान में भवानी मण्डी (झालावाड़) में बहुतायत में पाया जाता है।

❑ **मुख्यत: दक्षिणी राजस्थान में पाए जाने वाले किस वृक्ष की पत्तियों का उपयोग 'बीड़ियाँ' बनाने में किया जाता है-**[क. अनुदेशक (इलेक्ट्रीशियन)- 24.03.2019] [राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल- 2013, 15.07.2018 (II)] [LDC- 16.09.2018][क. वैज्ञानिक सहायक (जैविक) 15.9.2019]

(1) सागवान (2) धोकड़ा (3) सालर (4) तेंदू

Ans. (4)

व्याख्या - तेंदू (वागड़ क्षेत्र में इन्हें 'टीमरू', 'वागड़ का चीकू' कहा जाता है) की पत्तियाँ : तेंदू वृक्ष की पत्तियों से बीड़ी बनायी जाती है। उदयपुर, सलूम्बर, बारां, डूँगरपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ व बाँसवाड़ा में यह वृक्ष मिलता है। तेंदू की पत्तियों का आधा भाग हमारे राज्य के प्रमुख बीड़ी उद्योगों में उपभोग कर लिया जाता है।

❑ **राजस्थान में कौनसे जिले में तेंदू पत्ती का उत्पादन नहीं होता है?** [ARO (Horticulture, Botany) 27.8.2022]

(1) उदयपुर (2) सिरोही (3) बारां (4) झालावाड़

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❒ राजस्थान में तेन्दू वृक्ष के लिये प्रमुख जिला है- [कनिष्ठ अनुदेशक -4.1.2025]
(1) हनुमानगढ़ (2) सीकर (3) भरतपुर (4) झालावाड़
Ans. (4) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ कौनसे वृक्ष से 'चारकोल' बनाया जाता है? [LDC Exam - 16.09.2018]
(1) बबूल (2) पीपल (3) धौंकड़ा (4) पलाश
Ans. (1)*

व्याख्या-बबूल (फैबेसी परिवार का वृक्ष) के वृक्ष से 'चारकोल' बनाया जाता है। इसे आमतौर पर गम अरबी के पेड़ के रूप में जाना जाता है। यह एक दृढ़ लकड़ी का पेड़ होता है, जिसका घनत्व लगभग 1170 किग्रा/घन मीटर होता है।

❒ 'सेवण घास' किस जिले में विस्तृत रूप से होती है? [R.A.S. Pre Exam, 1995]
(1) बाड़मेर (2) जोधपुर (3) जैसलमेर (4) सीकर
Ans. (3)

व्याख्या - अल्प वर्षा में उगने वाली पौष्टिक सेवण घास (रेगिस्तानी घासों का राजा) जैसलमेर के उत्तर-पश्चिमी भाग में 60 मीटर चौड़ी पट्टी में फैली हुई है। यह घास मरुस्थलीकरण पर प्राकृतिक रूप से रोक लगाती है।

❒ 'सेवण' क्या है ? [C.I.D. Exam, 2002]
(1) झालावाड़ में मीठे पानी की झील
(2) कम वर्षा में उगने वाली घास
(3) एक दुर्लभ वन्य जीव
(4) मरुस्थलीय मिट्टी का प्रकार
Ans. (2) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ कौनसा जोड़ा गलत है? [R.A.S. Pre Exam, 2007]
(1) घग्घर-नाली (2) सेवण घास-अलवर
(3) संगमरमर-नागौर (4) मलवा बाढ़-बाड़मेर
Ans. (2)व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ कौनसी राजस्थान में पाई जाने वाली झाड़ी का एक प्रकार नहीं है- [पशु परिचर-1.12.2024 (S-II)]
(1) लाना (2) अरणा (3) फोग (4) धामण
Ans. (4)

व्याख्या- मवेशियों की जीविका का मुख्य आधार 'धामण' (ट्राइडोक्स) घास बाँसवाड़ा, डूँगरपुर के अलावा उदयपुर क्षेत्रों में प्रचुरता से उगती है।

❒ राजस्थान का कौनसा वृक्ष 'जंगल की ज्वाला' (Flame of the forest) के नाम से जाना जाता है? [VDO-27.12.2021 (S-I)][RAS Pre. Exam-2009]
(1) खेजड़ी (2) नीम (3) पलास (4) पारस पीपल
Ans. (3)

व्याख्या -उष्णकटिबंधीय/शुष्क पर्णपाती वन के पलास (ढाक) वृक्ष को 'जंगल की ज्वाला' के नाम से जाना जाता है। इसे देहाती भाषा में खाखरा कहा जाता है। इसके पेड़ से गोंद, दोने-पतल बनाने के बड़े पत्ते, बिना काँटोवाली नर्म जलाऊ घरेलू लकड़ियाँ, जड़ से रंगाई-पुताई करने की कुचियाँ इसी के नरम रेशे से प्राप्त होती है। फाल्गुन माह में इसमें फूल आते हैं, जिनको पानी में गलाने से कुदरती केसरिया रंग प्राप्त होता है। पलाश मुख्यतया अलवर, अजमेर, ब्यावर, सलूम्बर, खैरथल-तिजारा, सिरोही, उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, पाली, जालोर, टोंक आदि जिलों में पाया जाता है। यह वन पथरीले पठारी क्षेत्र के साथ कंकड़ वाले मैदानी क्षेत्र में भी मिलते हैं।

❒ राजस्थान में पलाश वन के संदर्भ में कौनसा कथन सही नहीं है- [पशु परिचर-1.12.2024 (S-II)]
(1) यह वन अलवर, अजमेर, सिरोही, उदयपुर, पाली और चित्तौड़गढ़ क्षेत्रों में फैले हैं।
(2) यह वन उष्णकटिबंधीय/शुष्क पर्णपाती वनों के उप-प्रकार है।
(3) यह वन उन क्षेत्रों में फैले हैं जहाँ धरातल कठोर व पथरीला है।
(4) यह वन राजस्थान के केवल पठारी क्षेत्र में पाये जाते हैं।
Ans. (4) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ राजस्थान में पाये जाने वाले पलाश के वनों की विशेषताएँ हैं- [पशु परिचर-2.12.2024 (S-I)]
1. ये वन उन क्षेत्रों में फैले हैं जहाँ का धरातल पथरीला एवं कठोर है।
2. ये पहाड़ियों के उन क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं जहाँ पठारी भूमि उपलब्ध है।
3. इस प्रकार के वन केवल माउंट आबू क्षेत्र में पाये जाते हैं।
4. ये वन मैदानों में भी पाये जाते हैं, जहाँ कंकड़ हैं और मृदा कम मात्रा में पायी जाती है।
(1) 1, 3, 4 (2) 1, 2, 3 (3) 2, 3, 4 (4) 1, 2, 4
Ans. (4) व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

❑ राजस्थान में पलाश में वन कौन में जिलों में पाये जाते हैं? [कनिष्ठ अनुदेशक-10.09.2022]
(1) अलवर, अजमेर, उदयपुर, राजसमंद
(2) कोटा, बूँदी, बारां, सवाई माधोपुर
(3) नागौर, जालौर, भरतपुर, बारां
(4) बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, झालावाड़
Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में पलाश के वन निम्न में से किस वन का एक उप प्रकार है- [पशु परिचर-3.12.2024 (S-II)]
(1) उष्णकटिबंधीय कंटीले वन
(2) उष्णकटिबंधीय/शुष्क पर्णपाती वन
(3) उपोष्ण पर्वतीय वन (4) मैंग्रोव वन
Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ निम्न में से कौनसे जिलों का युग्म राजस्थान में 'कत्था' (अकेसिया-कटेचु) का मुख्य उत्पादक है?
[वनरक्षक-13.12.2022(S-II)][कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2016]
(1) उदयपुर एवं चित्तौड़गढ़ (2) भरतपुर एवं अलवर
(3) बांसवाड़ा एवं बारां (4) सीकर एवं हनुमानगढ़
Ans. (1)

व्याख्या - खैर वृक्ष के तने की छाल से कत्था बनाया जाता है। राज्य में कत्थे को हांडी प्रणाली से तैयार किया जाता है। कत्थे का उत्पादन उदयपुर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, बूँदी, भरतपुर, डीग और जयपुर जिलों में किया जाता है।

❑ 'कत्था' किस वृक्ष से निकाला जाता है?
[CET : 08.01.2023][Lab Assistent (Science) -29.06.2022]
[LDC-12.08.2018][III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]
(1) सागवान (2) खैर (3) सालर (4) खेजड़ी
Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ निम्न जिलों में से कौनसा कत्थे का मुख्य उत्पादक नहीं है- [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]
(1) बीकानेर (2) भरतपुर (3) बूँदी (4) झालावाड़
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान में निम्नांकित में से कौन-सी मुख्य वन उपज नहीं मानी जाती है? [पटवार परीक्षा - 2008]
(1) इमारती या गोला लकड़ी (2) ईंधन लकड़ी
(3) तेंदू पत्ता (4) बांस
Ans. (3)

*व्याख्या - मुख्य उपजें- इमारती लकड़ी, ईंधन की लकड़ी। **गौण उपजें**-घास, तेंदू पत्ता, महुआ, आँवला आदि।*

❑ 'बीड़' पाए जाते हैं- [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]
(1) कोटा, बूँदी, सिरोही (2) जयपुर, अलवर, टोंक
(3) सीकर, जोधपुर,बीकानेर (4) भीलवाड़ा, अजमेर, पाली
Ans. (3)

व्याख्या- बीकानेर, जोधपुर, फलौदी, सीकर, झुन्झुनूं व चूरू जिलों में स्थानीय घास के मैदान एवं चारागाहों को बीड़ या ओरण कहा जाता है।

❑ राजस्थान में 'बीड़' का स्थानीय नाम है?
[Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]
(1) चारागाह (2) कंटीले वन (3) तिलहन (4) खाद्यान्न
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ आदिवासियों के 'हरे सोने' के नाम से जाना जाने वाला वृक्ष है- [प्रयोगशाला सहायक परीक्षा-03.02.2019]
(1) सालर (2) धोकड़ा (3) बाँस (4) गूलर
Ans. (3)

व्याख्या - बाँस : 'आदिवासियों का हरा सोना' कहलाने वाले इस पेड़ का उपयोग कागज, टोकरियाँ, चारपाई, लाठी आदि बनाने में किया जाता है। यह वृक्ष मुख्यत: बाँसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, सलूम्बर, कोटा तथा सिरोही जिलों में मिलता है।

❑ बाँस का जंगल (Bamboo forest) राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में पाया जाता है-
[CET (10+2) : 22.10.2024 (S-II)]
(1) बाँसवाड़ा (2) बीकानेर (3) चूरू (4) जैसलमेर
Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान का निम्न में से कौनसा वृक्ष गोंद का स्रोत नहीं है- [योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी-10.3.2021]
(1) बबूल (2) बाँस (3) नीम (4) पीपल
Ans. (2)

*व्याख्या- पीपल, नीम, खेजड़ी, बबूल, ढाक आदि वृक्षों के चिपचिपे रस से गोंद प्राप्त किया जाता है। **चौहटन क्षेत्र** (बाड़मेर) गोंद उत्पादन के लिए विश्व प्रसिद्ध है।*

❑ निम्न प्रकार की वनस्पतियों में से कौनसी राजस्थान में प्राप्य नहीं है ? [R.A.S. Pre Exam. 1995]
(1) उष्ण कटिबन्धीय शुष्क (2)उष्ण कटिबन्धीय कंटीली
(3) उष्ण कटिबन्धीय मरुस्थलीय
(4) उष्ण कटिबन्धीय तर पतझड़ी
Ans. (4)

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्या-राजस्थान में कोणधारी वन, अल्पाइन वन, ज्वारीय वन, सदाबहार वन, उष्ण कटिबंधीय तर वनस्पति नहीं पायी जाती।

❑ **निम्नलिखित में से किस प्रकार के वन राजस्थान में नहीं पाये जाते हैं-** [पशु परिचर-3.12.2024 (S-I)]

(1) ज्वारीय वन (2) उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन
(3) उपोष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन
(4) उपोष्णकटिबंधीय पर्वतीय वन

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **अमृतादेवी मृग वन स्थित है:**[III Grade Teacher -2009]

(1) कायलाना झील (2) मथानिया
(3) खेजड़ली, जोधपुर (4) माउण्ट आबू

Ans. (3)

व्याख्या - विश्नोई सम्प्रदाय, जो वनों की रक्षा के लिए जाना जाता है, की अमृतादेवी ने 1730 ई. में जोधपुर ज़िले के खेजड़ली गाँव में वृक्षों की रक्षार्थ अपने प्राणों की आहूति दी थी। विश्नोई सम्प्रदाय द्वारा दिया गया यह बलिदान 'साका-खडाना' कहलाता है। उल्लेखनीय है कि यहाँ प्रतिवर्ष विश्व का एकमात्र वृक्षमेला इनके शहीद दिवस (भाद्रपद शुक्ला दशमी) पर मनाया जाता है। प्रतिवर्ष 12 सितम्बर को 'खेजड़ली दिवस' मनाया जाता है। प्रथम खेजड़ली दिवस 12 सितम्बर, 1978 को मनाया गया था।

❑ **सन् 1730 में राजस्थान के जोधपुर जिले में 'खेजड़ली आन्दोलन' किसके लिए हुआ था?**

[राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल-15.07.2018(I)]

(1) जल संरक्षण के लिए (2) वन संरक्षण के लिए
(3) नदी संरक्षण के लिए (4) मृदा संरक्षण के लिए

Ans. (2)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान के कौनसे समुदाय के लिए वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण उनके धार्मिक अनुष्ठान का भाग बन गया है?** [REET (Level – I, S-I) –23.07.2022]

(1) गुर्जर (2) सहरिया (3) विश्नोई (4) मीणा

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **राजस्थान में प्रतिवर्ष 12 सितम्बर को किस स्थान पर वृक्ष महोत्सव मनाया जाता है?** [LDC -12.08.2018]

[JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिग्री -26.12.2020]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष) 14.9.2019]
[III Grade (Maths-Science) -25.02.2023]

(1) खेजड़ी ग्राम-जोधपुर (2) कोलायत – बीकानेर
(3) मंडौर-जोधपुर (4) कैलादेवी – करौली

Ans. (1) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **अमृता देवी, उनकी तीन पुत्रियों एवं अन्य सैंकड़ों लोगों ने पेड़ों को बचाने के लिए अपना जीवन खोया। वर्ष 1730 में किस रियासत के राजा ने पेड़ों को काटने का आदेश दिया-**[JEN (Civil) De.12.9.2021]

(1) सीकर (2) जोधपुर (3) उदयपुर (4) चित्तौड़गढ़

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ **अमृता देवी विश्नोई किसके लिए प्रसिद्ध है-**

[LDC - 11.08.2024]

(1) ग्रामीण विकास के लिए
(2) खेजड़ी के पेड़ों को बचाने के लिए
(3) भगत आन्दोलन (4) महिला सशक्तिकरण के लिए

Ans. (2)

व्याख्या-वन एवं वन्यजीव संरक्षण हेतु पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा स्थापित राज्य का सबसे प्रतिष्ठापूर्ण वानिकी पुरस्कार अमृतादेवी स्मृति पुरस्कार है। 1994 से दिया जाने वाला यह पुरस्कार वृक्षों को बचाने के लिए प्राण देने वाली शहीद अमृतादेवी की स्मृति में दिया जाता है।

❑ **अरावली वनरोपण परियोजना आरम्भ की गई-**

[अन्वेषक परीक्षा - 27.12.2020][LDC-19.08.2018]

(1) 1995–96 (2) 2007(3) 1992–93 (4) 2001–02

Ans. (3)

व्याख्या -अरावली वृक्षारोपण परियोजना [Aravalli Afforestation scheme] : 1 अप्रैल, 1992 से शुरू की गई यह परियोजना अरावली पर्वत शृंखला में वनों के पुनर्वास पर आधारित है। जापान के ओ.ई.सी.एफ. (Oversease Economic Co-operation Fund) के सहयोग से शुरू की गई इस परियोजना में राजस्थान के 10 जिलों (अलवर, जयपुर, सीकर, नागौर, पाली, झुन्झुनूँ, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बाँसवाड़ा व सिरोही) में पर्वतीय वनों के पुनर्वास का कार्य किया गया था। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना 31 मार्च, 2000 को पूर्ण हो गई।

❑ **अरावली वनीकरण परियोजना के अन्तर्गत निम्न में से कौनसा जिला नहीं आता है?**[VDO Mains -9.7.2022]

(1) सीकर (2) पाली (3) नागौर (4) अजमेर

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❒ **कौनसी वनस्पति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में उपयोगी है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) ब्राह्मी (2) अर्जुन (3) ग्वारपाठा (4) अश्वगंधा

Ans. (4)

व्याख्या - विदानिया कुल के अश्वगंधा पौधे का प्रयोग आयुर्वेदिक उपचार हेतु किया जाता है। इसमें एण्टी ट्यूमर एवं एण्टी बायोटिक गुण पाया जाता है।

❒ **'राजस्थान वानिकी एवं जैवविविधता परियोजना' किसके द्वारा प्रायोजित है?** [वनपाल-06.11.2022(S-II)] [ARO - 29.8.2022][JEN (Civil) Diploma-06.12.2020] [पटवार- 2011] [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) एशियन डवलपमेंट बैंक (2) वर्ल्ड बैंक

(3) वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (4) जे.आई.सी.ए.

Ans. (4)

*व्याख्या-राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना : यह परियोजना जापान-इन्टरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेन्सी (JICA) **की आर्थिक सहायता** से अप्रेल, 2003 से लागू की गई है। इस परियोजना के अन्तर्गत वृक्षारोपण, जैव विविधता संरक्षण तथा भू-जल संरक्षण कार्यों के अतिरिक्त गरीबी उन्मूलन एवं आजीविका संवर्धन के कार्य भी किये गए। इसका **प्रथम चरण जुलाई 2008** में पूर्ण हुआ।*

*• **राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना द्वितीय चरण** : 2011–12 से इसका द्वितीय चरण प्रारम्भ किया गया जो 2011–12 से 2018–19 तक की अवधि के लिये था, जिसे 2023-24 तक बढ़ा दिया गया था।*

राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना फेज-2 में वन विभाग द्वारा दो नवीन परियोजनाएँ प्रारम्भ की जाएगी। परियोजना क्षेत्र के प्राकृतिक वनों की रक्षा और विकास करना और वन संरक्षित क्षेत्रों के अंदर व बाहर स्थानिक प्रजातियों की सुरक्षा, लुप्तप्राय: पौधों की प्रजातियों की बहाली व ओरण विकास तथा जैव विविधता संरक्षण से संबंधित वनीकरण गतिविधियों को शुरू करके राज्य के पूर्वी हिस्से में समग्र पारिस्थितिकीय संतुलन में सुधार करना है।

*1. **राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना (Rajasthan Forestry and Biodiversity development Project -RFBDP)** :- यह परियोजना **फ्रांस की** ए.एफ.डी. (Agence Fraence Development) के वित्तीय सहयोग से राजस्थान के **13 जिलों** (अलवर, बारां, भीलवाड़ा, भरतपुर, बूँदी, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर एवं टोंक) तथा **रामगढ़ विषधारी टाईगर रिजर्व बूँदी, भैंसरोड़गढ़ सेन्चुरी कोटा, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान भरतपुर, बीसलपुर टोंक, उम्मेदगंज पक्षी विहार कोटा एवं मुकन्दरा हिल्स टाईगर रिजर्व** में क्रियान्वित की जा रही है। परियोजना गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु कुल 800 गाँव को चिह्नित किया गया है। परियोजना अप्रैल, **2023** से प्रभावी होकर **2030-31 (8 वर्ष)** तक पूर्ण की जानी प्रस्तावित है। इस परियोजना की कुल लागत **₹ 1,693.91 करोड़** है, जिसमें ए.एफ.डी. का अंश **₹ 1,185.28 करोड़** (70 प्रतिशत) एवं राज्यांश **₹ 508.63 करोड़** (30 प्रतिशत) है।*

*(2) **राजस्थान वनीकरण एवं जैव विविधता संरक्षण परियोजना (Rajasthan Afforestation and Biodiversity Conservation Project -RABCP)** - 1803.42 करोड़ लागत की यह परियोजना जापान की आर्थिक सहायता (1569.19 करोड़) से राजस्थान के **19 जिलों** (अजमेर, बाड़मेर, बाँसवाड़ा, बीकानेर, चूरू, चित्तौड़गढ़, डूँगरपुर, जयपुर, जैसलमेर, जालौर, झुन्झुनूँ, जोधपुर, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, सीकर, सिरोही, राजसमन्द व उदयपुर) में क्रियान्वित की जा रही है।*

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा 'राजस्थान वानिकी एवं जैव-विविधता परियोजना' का उद्देश्य नहीं है?** [कॉलेज व्याख्याता-2016][JEN (Mech.) Degree - 2016]

(1) वृक्षारोपण (2) जैव-विविधता संरक्षण

(3) बाढ़ नियंत्रण (4) जल संरक्षण

Ans. (3) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **इनमें से कौन-सी परियोजना जापान इन्टरनेशनल कोर्पोरेशन एजेन्सी के सहयोग से चलायी जा रही है?** [Stenographer Exam : 30.05. 2013]

(1) मरूस्थलीकरण

(2) राजस्थान वानिकी एवं जैवविविधता परियोजना

(3) राष्ट्रीय उद्योनों का विकास

(4) हरित राजस्थान

Ans. (2) ***व्याख्या :*** *उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❒ **कौनसा कथन असत्य है?**[REET (L – II, S-I) –24.07.2022]

(1) जवाहरसागर अभयारण्य कोटा, बूँदी, चित्तौड़गढ़ में है।

(2) केसर बाग वन्यजीव अभयारण्य, धौलपुर में है।

(3) अर्द्ध उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों को मानसून वन भी कहते हैं?

(4) 'राजस्थान का कल्पवृक्ष' रोहिड़ा है।

Ans. (4) *राजस्थान का कल्पवृक्ष 'खेजड़ी' है।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ रखत, कांकड़, डांग और रुद ये सभी

[RPSC III Grade Teacher Exam-2009]

(1) वनों के संरक्षण से सम्बन्धित हैं।

(2) त्योहारों के नाम है।

(3) प्राचीन शिलालेखों के नाम हैं। (4) स्त्रियों के गहने हैं।

Ans. (1)

व्याख्या - रखत (बिना जुता हुआ खेत), कांकड़ (खेतों की परिसीमा जिसमें व्यापक पेड़ लगे हों), डांग और रुद ये सभी वनों के संरक्षण से सम्बन्धित है।

❑ राजस्थान में 'राजीव गाँधी पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार' प्रदान किये जाते है- [JEN (Agri.) 10.09.2022]

[द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2014]

(1) राजीव गाँधी के जन्म दिन-20 अगस्त को

(2) विश्व पर्यावरण दिवस-5 जून को

(3) ओजोन परत संरक्षण दिवस-16 सितम्बर को

(4) पृथ्वी दिवस-22 अप्रैल, को

Ans. (2)

व्याख्या -राजीव गाँधी पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार (प्रारम्भ-वर्ष 2012 से प्रदान – 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर)

- *संस्था वर्ग में-5 लाख रुपए*
- *नगरपालिका – 3 लाख रुपए*
- *व्यक्ति वर्ग में -2 लाख रुपए*

❑ विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है-

[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (प्रलेख) 22.9.2019]

[आर्थिक अन्वेषक (उद्योग विभाग) परीक्षा -25.03.2018]

(1) 5 मई (2) 5 जून (3) 22 मार्च (4) 22 अप्रैल

Ans. (2)

व्याख्या- • विश्व पर्यावरण दिवस – 5 जून

52वाँ विश्व पर्यावरण दिवस – 2025, थीम-प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना।

- *विश्व पृथ्वी दिवस – 22 अप्रैल*
- *विश्व जल दिवस – 22 मार्च*
- *विश्व जैवविविधता दिवस – 22 मई*
- *विश्व मौसम विज्ञान दिवस – 23 मार्च*
- *ओजोन दिवस – 16 सितम्बर*

❑ ओजोन दिवस मनाया जाता है-

[कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) - 23.03.2019][अन्वेषक - 27.12.2020]

(1) 5 जून को (2) 16 अक्टूबर को

(3) 16 सितम्बर को (4) 11 जुलाई को

Ans. (3) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ विश्व जैवविविधता दिवस .....को मनाया जाता है।

[Lab Assistent (Geography)-30.06.2022]

(1) 22 मार्च (2) 22 मई (3) 22 अप्रैल (4) 13 अगस्त

Ans. (2) *व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान का प्रथम पारिस्थितिकी मित्र संभाग कौनसा है- [अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा - 27.12.2020]

(1) उदयपुर (2) माउण्ट आबू (3) बाँसवाड़ा (4) डूँगरपुर

Ans. (2)

❑ कौनसी नीति परिस्थितिकी संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा देती है- [क.वैज्ञानिक सहा.(सीरम) 15.9.2019]

(1) जैविक पर्यटन नीति (2) इको-टूरिज्म नीति

(3) संरक्षणात्मक पर्यटन नीति (4) सुरक्षित पर्यटन नीति

Ans. (2)

व्याख्या - इको ट्यूरिज्म पॉलिसी : राज्य में आरक्षित वन क्षेत्रों के बाहर वन क्षेत्रों में पारिस्थितिकीय पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु वन विभाग द्वारा 'इको ट्यूरिज्म पॉलिसी' 4 फरवरी, 2010 को अनुमोदित (गजट नोटिफिकेशन जारी : 22 फरवरी, 2010) की गई हैं इस पॉलिसी के क्रियान्वचन हेतु 'राजस्थान इको ट्यूरिज्म विकास सोसायटी' का गठन किया गया है। इसके तहत निम्न इको-ट्यूरिज्म साइट्स को खोला गया है- • मेनाल एवं हमीरगढ़ (भीलवाड़ा), • बस्सी एवं सीतामाता (चित्तौड़गढ़), • नाहरगढ़ (जयपुर), • पंचकुण्ड (अजमेर), • सुण्डामाता (जालौर), • गुढ़ा विश्नोई (जोधपुर), • मुकन्दरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान (कोटा), • भैंसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़)

❑ वनोत्पाद-पेड़ सुमेलित कीजिए - [AEN -16.12.2018]

[क. वैज्ञानिक सहायक(प्रलेख) 22.9.2019]

(A) इमारती लकड़ी (1) खैर

(B) कोयला (2) सागवान

(C) कत्था (3) तेन्दू

(D) बीड़ी (4) धौंकड़ा

कूट:	A	B	C	D	कूट:	A	B	C	D
(1)	1	2	3	4	(2)	2	4	1	3
(3)	2	4	3	1	(4)	1	3	4	2

Ans. (2)

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्या – • **इमारती लकड़ी :** राजस्थान के वनों से प्रतिवर्ष 25 लाख घनफुट इमारती लकड़ी प्राप्त होती है जिनका उपयोग रेल के डिब्बे बनाने, जहाज तथा फर्नीचर आदि के निर्माण में किया जाता है। इन कार्यों हेतु सागवान, सालर, धौंकड़ा तथा बबूल के वृक्ष अधिक उपयोगी है।

• **धौंकड़ा** – राज्य में ईंधन की लकड़ी व कोयला बनाने में सर्वाधिक उपयोग धौंकड़ा का होता है।

• **कत्था :** खैर वृक्ष के तने की छाल से कत्था बनाया जाता है। राज्य में कत्थे को हांडी प्रणाली से तैयार किया जाता है।

• **तेंदू (वागड़ क्षेत्र में इन्हें 'टीमरू' कहा जाता है) की पत्तियाँ :** तेंदू वृक्ष की पत्तियों से बीड़ी बनायी जाती है। तेंदू की पत्तियों का आधा भाग हमारे राज्य के प्रमुख बीड़ी उद्योगों में उपयोग कर लिया जाता है।

❒ **सुमेलित कीजिए–** [JEN (विद्युत) डिग्री-29.11.2020]

(A) सालर वन	(1) बाँसवाड़ा
(B) ढाक वन	(2) सिरोही
(C) सदाबहार वन	(3) चित्तौड़गढ़
(D) शुष्क सागवान वन	(4) अलवर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)		(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	4	3	2	1	(2)	3	2	1	4
(3)	2	3	1	4	(4)	1	4	2	3

Ans. (1)

❒ **निम्नलिखित में से कौनसा वनोत्पाद राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्र में शराब बनाने में काम लिया जाता है–** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डिप्लोमा -26.12.2020]

(1) बाँस (2) महुआ (3) सेब (4) आम

Ans. (2)

व्याख्या – महुआ (वानस्पतिक नाम – मधुका लोंगिफोलिया) के फूल पीने, बीज तेल निकालने व इसके फलों का प्रयोग देसी शराब (मोकड़) बनाने में होता हैं इसलिए इसे **'आदिवासियों का कल्पवृक्ष'** कहा जाता है। यह उदयपुर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ आदि जिलों में पाया जाता है।

❒ **राजस्थान में ऑक्सी-जोन पार्क कहाँ विकसित किया जा रहा है?** [JEN (Mechanical) Diploma- 20.05.2022]

(1) उदयपुर (2) जोधपुर
(3) जयपुर (4) कोटा

Ans. (4)

व्याख्या – कोटा में 100 करोड़ की लागत से ऑक्सी-जोन पार्क बनाया जा रहा है।

❒ **'कॉंग्रेस घास' क्या है–**[JEN (Civil) Diploma-06.12.2021]

(1) एक खरपतवार (2) एक फल
(3) एक उपयोगी घास (4) एक परियोजना

Ans. (1)

व्याख्या – **कॉंग्रेस घास (गाजर घास/स्टोफेरर्स) :** अमेरिका से आयातित इस घास से जयपुर जिला सर्वाधिक प्रभावित है। इस घास को चर्म रोग एवं अस्थमा का वाहक माना जाता है।
(स्रोत:दिशा राजस्थान कल, आज और कल, पृष्ठ 4.62)

❒ **JFM का पूरा नाम क्या है–**

[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (रसायन) 14.9.2019]

(1) संयुक्त वन प्रबन्धन (Joint Forest Management)
(2) कनिष्ठ वन प्रबंधन(Junior Forest Management)
(3) ज्यूरी वन प्रबंधन (Jury Forest Management)
(4) जयपुर वन प्रबंधन(Jaipur Forest Management)

Ans. (1)

व्याख्या –**संयुक्त वन प्रबन्धन** *(Joint Forest Management-JFM)* **:** भारत में यह कार्यक्रम राष्ट्रीय वन नीति 1988 पर आधारित है। वनों की सुरक्षा एवं प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की सक्रिय सहभागिता लेने हेतु 'साझा वन प्रबंध' (JFM) का क्रियान्वयन राजस्थान में 15 मार्च, 1991 से प्रारंभ कर दिया गया था। अब अधिकांश क्षेत्रों में वन विकास एवं सुरक्षा कार्य, प्रदेश भर में 'वन सुरक्षा एवं प्रबंध समितियों' *(Village Forest Protection and Management Committees - VFPMC)* के सक्रिय सहयोग से सम्पादित किये जा रहे हैं।

❒ **राजस्थान में संयुक्त वन प्रबंधन कब प्रारंभ हुआ?** [Lab Assistent (Home Sci.) -30.06.2022]

(1) 1990 में (2) 1993 में (3) 1992 में (4) 1991 में

Ans. (4) व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

❒ **2021 में राजस्थान के कौनसे जिले में सर्वाधिक क्षेत्र में सघन वन पाये जाते हैं?** [वनरक्षक-11.12.2022(S-I)]

(1) उदयपुर (2) सिरोही (3) अलवर (4) प्रतापगढ़

Ans. (3)

व्याख्या – राजस्थान में अत्यधिक सघन वन अलवर (सर्वाधिक), जयपुर, जैसलमेर, हनुमानगढ़, बूँदी व बीकानेर आदि जिलों में पाये जाते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

❐ TOFIR कार्यक्रम का सम्बन्ध है-

[शोध अध्येता परीक्षा-04.08.2024]

(1) व्यापार (2) पौधारोपण (3) परिवहन (4) पर्यटन

Ans. (2)

*व्याख्या - राजस्थान को हरित प्रदेश बनाने की दिशा में राजस्थान ग्रीनिंग एण्ड रीवाईल्डिंग मिशन के तहत वनस्पति आवरण को बढ़ाने और वन क्षेत्रों के बाहर हरियाली बढ़ाने के लिए **वर्ष 2023-24** में ट्री आउटसाइड फॉरेस्ट इन राजस्थान (Tree Outside Forest in Rajasthan-TOFIR) नाम से नवीन योजना संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य राजस्थान में पारंपरिक वनों के बाहर वृक्षों के कवरेज को विस्तारित करना और वन क्षेत्रों के बाहर हरियाली बढ़ाना है। इसके तहत प्रदेश में विभिन्न विभागों, संस्थाओं और नागरिकों के सहयोग से **प्रतिवर्ष 5 करोड़ पौधे** लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें से **1 करोड़ पौधे गोचर, ओरण** तथा **चारागाह, 1 करोड़ पौधे विभिन्न शहरी क्षेत्रों** में तथा **3 करोड़ पौधे जन साधारण को अपने घरों, खेतों इत्यादि** में लगाने के लिए वन विभाग की नर्सरियों से आमजन को उपलब्ध कराये जायेंगे।*

❐ निम्नलिखित में से किस शहर में 'विश्व वानिकी उद्यान' स्थित है? [CET - 11.2.2023 (S-II)]

(1) जयपुर (2) जोधपुर (3) उदयपुर (4) प्रतापगढ़

Ans. (1)

व्याख्या - विश्व वानिकी उद्यान जयपुर के झालाना डूँगरी में स्थित है।

❐ इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना वानिकी प्रोजेक्ट Overseas economic co-operation fund का संयुक्त साहस है - निम्नलिखित में से कौनसे दो राष्ट्र के बीच यह समझौता हुआ था- [CET - 5.2.2023 (S- II)]

(1) भारत और कनाडा (2) भारत और चीन

(3) भारत और जापान (4) भारत और बांग्लादेश

Ans. (3)

व्याख्या -इंदिरा गाँधी नहर क्षेत्र वृक्षारोपण व चारागाह विकास परियोजना - 1991 से प्रारम्भ 2000 तक संचालित थी। यह योजना जापान (J.B.I.C.) की सहायता से संचालित थी।

❐ किस अधिनियम के द्वारा वनों के बारे में राज्यों की स्वायतत्ता समाप्त हो गई?[जल प्रहरी-27-10-2018, S-II]

(1) वन (संरक्षण) अधिनियम 1980

(2) जैव चिकित्सा अपशिष्ट नियम 1988

(3) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986

(4) प्रदूषण रोकथाम और नियंत्रण अधिनियम 1980

Ans. (1)

व्याख्या - वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अनुसार "हालांकि किसी भी कानून के किसी राज्य में लागू होने के समय कुछ भी निहित होते हुए भी, कोई राज्य सरकार या अन्य प्राधिकारी, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना किसी भी आदेश का निर्देशन नहीं करेगा।"

❐ 'हरित राजस्थान' योजना आरंभ की गई थी- [RPSC II Grade Teacher Exam-2011]

(1) 2007 (2) 2009–10 (3) 2004 –05 (4) 2002–03

Ans. (2)

***व्याख्या - हरित राजस्थान योजना :** राज्य में हरित राजस्थान की शुरुआत 18 जून, 2009 से की गई है। शहरी, ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय व निजी भूमि पर बड़े स्तर पर वृक्षारोपण का काम किया गया। शहरों में इस योजना को समस्त शहरी निकायों के द्वारा संचालित किया गया। इसके तहत वर्ष 2022-23 में 42 करोड़ की लागत से 5 करोड़ पौधे तैयार किये जाएंगे।*

❐ राज्य में 'हरित राजस्थान योजना' क्रियान्वित की जा रही है, इसका उद्देश्य है- [AEN Exam : 16.05.2014]

[CET - 11.2.2023 (S-I)][पुलिस कॉन्स्टेबल-14.07.2018 (I)]

(1) खाद्य फसलों की उत्पादकता को बढ़ाना

(2) वन क्षेत्र को बढ़ाना (3) कृषि क्षेत्र को बढ़ाना

(4) सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाना

Ans. (2)*व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में वनों की कमी का मुख्य कारण है? [R.A.S. Pre Exam, 1992]

(1) जलवायु परिवर्तन

(2) इमारती लकड़ी के लिए वनों की कटाई

(3) जलाने की लकड़ी के लिए वनों की कटाई

(4) पशुचारण

Ans. (1)

व्याख्या - राजस्थान में वन संपदा को प्रभावित करने वाला सबसे प्रमुख कारक जलवायु है। वन विकास के अंतर्गत तापमान एवं वर्षा का वितरण अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। पश्चिमी राजस्थान में वर्षा की न्यूनता एवं तापमान की अधिकता के कारण उस क्षेत्र की वनस्पति विरल, कंटीली एवं मरुद्भिद प्रकार की है। दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान में वनों की सघनता सर्वाधिक पायी जाती है।

Scanned with OKEN Scanner

❑ निम्नलिखित में से राजस्थान का कौनसा शहर वेटलैंड सिटी एक्रिडिटेशन (WCA) हेतु नामित (सितम्बर, 2024 तक के अनुसार) किया गया है?

[पशु परिचर-3.12.2024 (S-II)] [EEO -19.06.2024]

(1) जैसलमेर (2) जयपुर (3) जोधपुर (4) उदयपुर

Ans. (4)

व्याख्या *- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने जनवरी, 2024 में वेटलैंड सिटी प्रमाणन (Wetland City Accreditation - WCA) के लिये भारत से तीन शहरों के लिए नामांकन प्रस्तुत किये हैं- इंदौर (मध्यप्रदेश), भोपाल (मध्यप्रदेश), उदयपुर (राजस्थान), जिनमें उदयपुर भारत का प्रथम वेटलैंड सिटी बना।*

❑ **राज्य में पुराने और बड़े पेड़ों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिये राजस्थान राज्य जैव-विविधता बोर्ड ने कौनसी फोटोग्राफी प्रतियोगिता शुरू की है-**

[Asst. Professor- 7.1.2024]

(1) राजस्थान राज्य वृक्षमित्र प्रतियोगिता

(2) राजस्थान राज्य विराट वृक्ष प्रतियोगिता

(3) राजस्थान राज्य महावृक्ष प्रतियोगिता

(4) राजस्थान कायाकल्प प्रतियोगिता

Ans. (3)

व्याख्या *- 11 अगस्त, 2023 को राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड ने स्थानीय वृक्षों के संरक्षण को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से राजस्थान राज्य महावृक्ष प्रतियोगिता की शुरुआत की है। इसमें 113 प्रजातियों के वृक्षों को सूचीबद्ध किया गया है।*

❑ **सन् 2019 की भारतीय वन रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो वर्ष में राजस्थान में वन क्षेत्रफल में कितना परिवर्तन हुआ है-** [JEN (यांत्रिकी/विद्युत) डि.-26.12.2020]

(1) -57.51 वर्ग किमी. (2) +57.51 वर्ग किमी.

(3) -16.79 वर्ग किमी. (4) +16.79 वर्ग किमी.

Ans. (2)

व्याख्या-21 दिसम्बर, 2024 को जारी फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इण्डिया द्वारा भारत वन सर्वेक्षण रिपोर्ट (India State of Forest Report) में राजस्थान का अभिलेखित वन 32,869 वर्ग किमी. है जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 9.60 % है। राजस्थान के वन आवरण में -83.80 वर्गकिमी. की कमी जबकि वृक्षावरण 478.26 वर्ग किमी. की वृद्धि हुई (देश में चौथा स्थान) है। राजस्थान में वनों एवं वृक्षों से आच्छादित क्षेत्रफल 27,389.33 वर्ग किमी. है जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 8 % है।

ISFR -2023 में भौगोलिक क्षेत्रफल का वनावरण प्रतिशत

सर्वाधिक %		न्यूनतम %	
1. उदयपुर	23.60%	1. चूरू	0.45%
2. प्रतापगढ़	22.48%	2. जोधपुर	0.49%
3. सिरोही	17.50%	3. बीकानेर	0.86%

ISFR -2023 में राजस्थान का वनावरण

सर्वाधिक (वर्गकिमी)		न्यूनतम (वर्गकिमी)	
1. उदयपुर	2766.30	1. चूरू	62.73
2. अलवर	1198.74	2. हनुमानगढ़	92.29
3. प्रतापगढ़	996.86	3. जोधपुर	111.23%

❑ **स्टेट फॉरेस्ट रिपोर्ट 2021 के अनुसार, राजस्थान में सर्वाधिक वन क्षेत्रफल वाले तीन जिले हैं-**

[संगणक-19.12.2021][कनिष्ठ अनुदेशक-10.09.20..]

(1) उदयपुर, अलवर तथा प्रतापगढ़

(2) उदयपुर, बारां तथा अलवर

(3) उदयपुर, बारां तथा चित्तौड़गढ़

(4) अलवर, बारां तथा प्रतापगढ़

Ans. (1) ***व्याख्या वर्तमान संदर्भ में देखें।***

❑ **वन रिपोर्ट 2021 में वनस्पति आवरण के संदर्भ में क... क्षेत्र 16,654 वर्ग किमी है व राजस्थान के भौगोलि... क्षेत्र का प्रतिशत है।** [RAS - 1.10.2023][EEO -19.6.20..]

(1) 6.74 (2) 7.48 (3) 8.47 (4) 4.87

Ans. (4) ***ISFR 2023 की रिपोर्ट में 4.84%***

❑ **आई.एस.एफ.आर. (ISFR) 2021 के अनुसा... राजस्थान में वन का कुल कार्बन स्टॉक है-**

[II Grade (Sans.) -12.02.2023 (S-...]

(1) 110.77 मिलियन टन (2) 82.77 मिलियन टन

(3) 91.58 मिलियन टन (4) 141.58 मिलियन टन

Ans. (1) ***ISFR 2023 की रिपोर्ट में 110.171 मिलियन ट...***

❑ **ISFR-2019 राजस्थान रिपोर्ट के अनुसार, राजस्था... में कुल वनावरण का कितना प्रतिशत अत्यधि... अग्नि प्रवण क्षेत्र था-** [Research Officer-04.08.20..] [EEO -19.06.20..]

(1) 2.48 (2) 0.00 (3) 3.62 (4) 0.32

Ans. (2)*

व्याख्या *- ISFR 2023 के अनुसार राजस्थान में कु... वनावरण का अत्यधिक अग्नि प्रवण क्षेत्र 0.42, बहुत तेज अ... प्रवण क्षेत्र 2.83, तेज अग्नि प्रवण क्षेत्र 4.38, मध्यम अग्नि प्र... क्षेत्र 5.90, कम अग्नि प्रवण क्षेत्र 86.47 प्रतिशत है।*

Scanned with OKEN Scanner

❑ राजस्थान का सर्वाधिक वन क्षेत्र वाला जिला कौन सा है? [JEN Degree - 16.10.2016][JEN (विद्युत) डिप्लोमा -29.11.2020] [III Grade (Hindi) -26.02.2023][पटवारी प्रारम्भिक-2016] [AEN Exam : 16.05.2014] [राज. पुलिस कॉन्स्टेबल -2005, 2014] [AEN -30.6.2024][वनरक्षक-13.12.2022(S-II)][पशुधन सहायक 4.6.2022] [Lab Assistent (Home Sci.) -30.6.2022 ,(Science) -29.6.2022]

(1) कोटा (2) सवाईमाधोपुर (3) डूँगरपुर (4) उदयपुर

Ans. (4)

राजस्थान वन विभाग रिपोर्ट 2023-24

- राजस्थान में कुल अभिलेखित वन क्षेत्र : 32921.00 वर्ग किमी. (आर्थिक समीक्षा 2024-25 में 33,014 वर्ग किमी)
- राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के सापेक्ष अभिलेखित वन भूमि : 9.60% (आर्थिक समीक्षा 2024-25 में 9.64%)
- राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्रफल का वन क्षेत्र : 7.42 प्रतिशत
- प्रति व्यक्ति औसत वनावरण व वृक्षावरण क्षेत्र : 0.037 हैक्टेयर
- राजस्थान का कुल वनावरण व वृक्षावरण : 25388 वर्ग किमी.
- राजस्थान का कुल वनावरण (भौगोलिक क्षेत्रफल का) : 16655 वर्ग किमी. (4.87 प्रतिशत)
- राजस्थान का कुल वृक्षावरण : 8733 वर्ग किमी.
- अभिलेखित वन क्षेत्र की दृष्टि से राजस्थान का देश में स्थान : 15 वाँ

सर्वाधिक एवं न्यूनतम वन क्षेत्र वाले जिले : एक दृष्टि में

सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले जिले		न्यूनतम वन क्षेत्र वाले जिले	
जिला	वन भूमि (वर्ग किमी.)	जिला	वन भूमि (वर्ग किमी.)
1. उदयपुर	4161.92	1. चूरू	79.91
2. बारां	2250.56	2. हनुमानगढ़	239.46
3. करौली	1810.76	3. नागौर	242.40
4. चित्तौड़गढ़	1789.02	4. जोधपुर	246.78
5. अलवर	1786.52	5. दौसा	284.62

राजस्थान में वन प्रतिशत : एक दृष्टि में

सर्वाधिक वन प्रतिशत वाले जिले			न्यूनतम वन प्रतिशत वाले जिले		
जिला	जिले के भौगोलिक क्षेत्रफल का %	कुल वन (वर्ग किमी.)	जिला	जिले के भौगोलिक क्षेत्रफल का %	कुल वन (वर्ग किमी.)
1. प्रतापगढ़	37.46%	2753.39	1. चूरू	0.57%	109.25
2. उदयपुर	35.49%	1033.77	2. जोधपुर	1.08%	77.69
3. करौली	32.77%	898.42	3. नागौर	1.36%	322.39
4. बाराँ	32.18%	1195.91	4. जैसलमेर	1.58%	279.71
5. सिरोही	31.97%	279.71	5. बाड़मेर	2.20,%	279.71

❑ राजस्थान में कुल वन क्षेत्र है–[Stenographer : 30.5.2013] [II Grade - 30.07.2023 (S- II)] [वनरक्षक-13.12.2022(S-I)]

(1) 32864 वर्ग किमी. (2) 32,701 वर्ग किमी.
(3) 30,640 वर्ग किमी. (4) 36,255 वर्ग किमी.

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❑ राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में से कौनसा न्यूनतम प्रतिशत वन क्षेत्र वाला है? [पटवार परीक्षा - 2011] [Veterinary Officer - 02.08.2020] [LDC Exam -.16.09.2018] [वनरक्षक-11.12.2022(S-II)] [क. वैज्ञानिक सहायक -21.9.2019]

(1) जैसलमेर (2) बाराँ (3) चूरू (4) नागौर

Ans. (3) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

Scanned with OKEN Scanner

❐ वन विभाग, राजस्थान द्वारा जारी 'स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट' के अनुसार राजस्थान का कुल वन क्षेत्र है-
[पटवार परीक्षा - 2008] [PSI -07.10.2018]
[कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) 21.9.2019]
[II Grade (English)- 2011]

(1) 10.23% (2) 9.57% (3) 9.18% (4) 8.34%

Ans. (2) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ राजस्थान में निम्नलिखित में से कौन-से दो जिले सर्वाधिक वन क्षेत्र रखते हैं? [पटवारी प्रारम्भिक-2016]
[ARO-29.8.2022] [RAS-19.11.2013][R.A.S. Pre. 1999]
[RAS -2009][JEN (Civil) Degree 12.09.2021]
[संगणक- 19.12.2021] [PTI Exam - 2015]

(1) उदयपुर और बारां (2) डूँगरपुर और बाँसवाड़ा
(3) सिरोही और उदयपुर (4) बाँसवाड़ा और प्रतापगढ़

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ वन विभाग, राजस्थान द्वारा जारी प्रशासनिक प्रतिवेदन 2021-22 के अनुसार राज्य में वह जिला, जहाँ वनों का प्रतिशत क्षेत्र न्यूनतम (संबंधित जिले के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का प्रतिशत) है-
[RAS.- 27.10.2021][III Grade (Sanskrit) -27.02.2023]

(1) चुरू (2) नागौर
(3) जैसलमेर (4) जोधपुर

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ वन विभाग, राजस्थान के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2022-23 के अनुसार, उन जिलों के समूह का चयन कीजिए जहाँ 2021 के आकलन के अनुसार वनावरण उनके भौगोलिक क्षेत्र के 10% से अधिक हो ।
[Food Safety Officer - 27.06.2023]

(1)सीकर,जालौर,झालावाड़(2)राजसमन्द,करौली, धौलपुर
(3) बाँसवाड़ा, भरतपुर, दौसा(4) पाली, भीलवाड़ा, अजमेर

Ans. (2)

❐ निम्न में से कौनसा जिलों का समूह राजस्थान में सर्वाधिक कुल वन क्षेत्र घेरता है? [II Grade (S-I) -29.1.2023]

(1) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बारां एवं करौली
(2) उदयपुर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ एवं टोंक
(3) बूँदी, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर एवं झालावाड़
(4) अलवर, सिरोही, जोधपुर एवं जयपुर

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ वन विभाग, राजस्थान के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2023-24 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौनसे जिले का वनावरण प्रतिशत उसके कुल भौगोलिक क्षेत्र की दृष्टि से द्वितीय स्थान पर रहा?
[Assist. Professor-8.9.2024]
[III Grade (Punjabi) -28.02.2023]

(1) प्रतापगढ़ (2) बारां
(3) सिरोही (4) अलवर

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ वन विभाग, राजस्थान के 'प्रशासनिक प्रतिवेदन 2021-22' (2021 के आकलन) के अनुसार निम्न में से किन जिलों के समूह में वनावरण का प्रतिशत सर्वाधिक है- [II Grade (Sans..) -12.2.2023 (S-I)]

(1) उदयपुर तथा प्रतापगढ़ (2) बाँसवाड़ा तथा डूँगरपुर
(3) डूँगरपुर तथा कोटा (4) प्रतापगढ़ तथा करौली

Ans. (1) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन 2022-23 के अनुसार निम्नलिखित में से किस जिले में 2019 से 2021 तक वन क्षेत्र में 30% से अधिक की नकारात्मक वृद्धि दर दर्ज की गई? [Asst. Professor- 7.1.2024]

(1) अजमेर (2) करौली
(3) जालौर (4) बीकानेर

Ans. (3)

व्याख्या *- वन विभाग के अनुसार वर्ष 2019 से 2021 तक वन क्षेत्र में नकारात्मक वृद्धि (कुल 25.45 वर्ग किमी.) वाले जिले क्रमशः जालौर (-32.46 वर्ग किमी.), करौली (-26.16 वर्ग किमी.), सिरोही (-13.49 वर्ग किमी.) तथा सकारात्मक वृद्धि वाले जिले क्रमशः अजमेर (26.45 वर्ग किमी.), पाली (26.01 वर्ग किमी.), बीकानेर (24.10 वर्ग किमी.)।*

❐ वन विभाग, राजस्थान के प्रशासनिक प्रतिवेदन 2022 के अनुसार, निम्नलिखित में से किन जिलों के समूह में 2019-2021 के बीच अधिकतम दर (% में) से वन का विनाश हुआ? [Food Safety Officer - 27.06.2023]

(1) सिरोही तथा जालौर (2) करौली तथा भरतपुर
(3) सिरोही तथा भरतपुर (4) जालौर तथा करौली

Ans. (4) *व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।*

❐ भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार, राजस्थान में वनावरण था- [सहायक सांख्यिकी अधिकारी (25.08.2024)]

(1) 18655 वर्ग किमी. (2) 14655 वर्ग किमी.
(3) 16655 वर्ग किमी. (4) 19655 वर्ग किमी.

Ans. (3) *व्याख्या वर्तमान संदर्भ में देखें।*

Scanned with OKEN Scanner